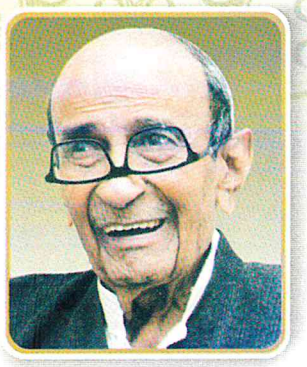


Shri Tarak Janubhai Mehta

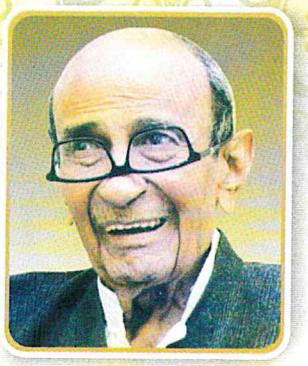
Shri Tarak Janubhai Mehta, popularly known as 'Tarak Mehta' among readers is an eminent humorist of Gujarati language from Ahmedabad, Gujarat. Shri Mehta is widely recognized across the Gujarat and Gujarati of the world through his writings, From 2008 onwards Tarak Mehta has become household name even for non Gujarat is as his immortal character were transformed in a daily serial based on his popular column, namely 'Tarak Mehta ka Ooltah Chasmah'.

2. Born on December 26, 1929, Shri Mehta received his master degree from the University of Bombay in 1958. M.A. Gujarati helped him to get job at `Prajatantra', a news paper published from Mumbai. Later he joined Ministry of Information and Broadcasting in 1962 as a Commentary Writer and worked at Films Division, Mumbai till his retirement in 1986.

3. Shri Mehta wrote and directed full length Gujarati plays. He also acted in some of them. With blessing and inspiration from Maharshi Aurobindo one of his play 'Navu Aakash, Navi Dharti' was based on Yoga,

4. Post retirement Shri Mehta left Mumbai and settled in Ahmedabad with wife Indu Mehta. His only daughter Eshani Shah has settled in USA with her husband Chandu Shah, an eminent Gujarati Poet. Tarakbhai believes his grandson Kushaan will keep his legacy of writings and his grand daughter Shaily will keen his legacy of acting.

5. For more than 50 years Shri Mehta's writings appeared regularly in 'Chitralekha' - a prominent Gujarati weekly. His writings are compiled and published in more than 85 books in a span of 40 years. His autobiography 'Action Replay' is considered to be one of the most candid and honest autobiographies of Gujarati. Some of his books are translated in Hindi too. His books received several awards from Gujarat Government and Gujarati Sahitya Parishad. Recipient of Vaju Kotak Gold Medal, Shri Mehta was felicitated with Gujarat Gaurav Puraskar in 2012 and Citizens Felicitation from Ahmedabad Municipal Corporation in the same year.



श्री तारक जनुभाई महेता

श्री तारक जनुभाई महेता, पाठकों के बीच तारक मेहता के रूप में लोकप्रिय हैं। आप अहमदाबाद, गुजरात के हैं और गुजराती भाषा के एक प्रसिद्ध हास्य लेखक हैं। आप अपने लेखों के माध्यम से पूरे गुजरात और विश्व के गुजरातियों में व्यापक रूप से जाने-माने जाते हैं। आपका ग़ैर-गुजरातियों में भी घर-घर नाम हो गया है, क्योंकि आपके लोकप्रिय कॉलम अर्थात् 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' पर आधारित आपके अमर चरित्र एक दैनिक सीरियल में तब्दील हो गए।

2. आपका जन्म दिसम्बर 26,1929 को हुआ। आपने अपनी मास्टर डिग्री वर्ष, 1958 में बम्बई विश्वविद्यालय से प्राप्त की। गुजराती में एम.ए. होने से आपको मुम्बई से प्रकाशित एक समाचार पत्र 'प्रजातंत्र' में नौकरी प्राप्त करने में सहायता मिली। बाद में कमेंटरी लेखक के रूप में आप सूचना और प्रसारण मंत्रालय में कार्य करने लगे एवं आपने फिल्म प्रभाग, मुम्बई में वर्ष, 1986 में अपनी सेवा-निवृत्ति तक काम किया।

3. आपने संपूर्ण गुजराती नाटकों का लेखन और निदेशन किया। उनमें से कुछ नाटकों में आपने अभिनय भी किया। महर्षि अरविन्द के आशीर्वाद और उनकी प्रेरणा से आपका एक नाटक 'नवु आकाश नवी धरती' योग पर आधारित था।

4. सेवानिवृत्ति के बाद आपने मुंबई छोड़ दी और आप अपनी पत्नी इन्दु महेता के साथ अहमदाबाद में जाकर बस गए। आपकी इकलौती पुत्री इशानी शाह अपने पति चंदू शाह, गुजरती के एक विख्यात कवि के साथ संयुक्त राज्य अमेरिका में जाकर बस गईं। आपका यह विश्वास है कि आपका धेवता कुशान लेखन की अपनी पैतृक विरासत को क़ायम रखेगा और आपकी धेवती शैली अभिनय की अपनी पैतृक विरासत को बरक़रार रखने में दिलचस्पी लेगी।

5. 50 वर्ष से अधिक समय तक आपके लेख एक प्रमुख गुजराती साप्ताहिक चित्रलेखा में नियमित रूप से प्रकाशित होते रहे। 40 वर्षों की अवधि में आपके लेखों को 85 से अधिक पुस्तकों में संकलित और प्रकाशित किया गया है। आपकी आत्मकथा 'ऐक्शन रिप्ले' गुजराती में सर्वाधिक स्पष्ट और सच्ची आत्मकथाओं में शुमार की जाती है। आपकी कुछ पुस्तकों का हिंदी में भी अनुवाद किया गया है। आपको अपनी पुस्तकों के लिए गुजरात सरकार और गुजराती साहित्य परिषद् से कई पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। आपको वाजु कोटक स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया है और वर्ष, 2012 में आपको गुजरात गौरव पुरस्कार प्रदान करके आपका अभिनंदन किया गया और उसी वर्ष अहमदाबाद नगर निगम द्वारा आपको नागरिक सम्मान प्रदान किया गया।